[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3463 A

Unique Paper Code : 12311406

Name of the Paper : History of India V (c. 1500-1600)

Name of the Course : **B.A. (Hons) History**

Semester / Annual : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Give a brief account of the importance of *Tawarikh* writings as a source for the study of Mughal India in the sixteenth century.

सोलहवीं शताब्दी मुगल भारत के अध्ययन स्त्रोत के रूप में तवारीख लेखों के महत्त्व का संक्षिप्त विवरण दीजिये।

2. Critically examine the recent historiographies on the nature of Mughal state.

मुगल राज्य के स्वरुप से सम्बंधित हाल के इतिहासलेखन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

3. How did the Rajput political culture facilitate their integration into the Mughal Empire?

राजपूत राजनीतिक संस्कृति, किस प्रकार, उनके मुग्नल साम्राज्य में समन्वित होने में मददगार साबित हुई?

4. What changes were brought about by Abul Fazl in the notions of kingship originally envisaged in the Chaghatayid traditions?

मूल रूप से चगताई परंपरा में विकसित राजत्व की अवधारणा में, अबुल फजल ने क्या परिवर्तन किये?

5. Define *Zamindari* right. What role did various categories of *Zamindars* play in the economy and polity of the Mughal Empire?

जमींदारी अधिकार को परिभाषित कीजिये। विभिन्न श्रेणियों के जमींदारों ने मुगल साम्राज्य की अर्थव्यवस्था और राजनीति में क्या भूमिका निभाया?

6. Discuss the distinguishing features of the process of state formation in south India in the 16th century with special reference to the Nayaka states of Madurai, Thanjavur and Jinji.

मदुरै, थंजावुर और जिंजी नायक राज्यों के विशेष सन्दर्भ में, सोलहवीं शताब्दी दक्षिण भारत में, राज्य संरचना की प्रक्रिया की खघस विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

7. How did architecture in medieval India become a medium to express imperial authority? Discuss with

reference to the buildings of Fatehpur Sikri OR temples and Gopurams of the Nayaka rulers of south India.

मध्यकालीन भारत में, वास्तु कला, किस प्रकार शाही शक्ति की अभिव्यक्ति का माध्यम बनी? फतेहपुर सिकरी के भवन अथवा दक्षिण भारत के नायक राजाओं के मंदिर और गोपुरम के सन्दर्भ में चर्चा कीजिये।

8. Was Akbar's policy of *Sulh-i-Kul* guided by his political needs or an outcome of his eclectic religious ideology?

क्या अकबर की सुलह-ए -कुल की नीति राजनीतिक आवश्यकताओं से निर्देशित थी अथवा उसकी संकलनवादी धार्मिक विचारों का परिणाम?